°This question paper contains 4 printed pages]

आपका अनुक्रमांक.....

4558

B.A. (Programme)/I C

HINDI DISCIPLINE -Paper I

हिंदी अनुशासन–प्रश्नपत्र I

(हिंदी कविता, नाटक तथा हिंदी कविता का प्रवृत्तिगत इतिहास)

(प्रवेश-वर्ष 2004/2006 और तत्पश्चात् नियमित कॉलेजों के विद्यार्थियों के लिये/NCWEB के विद्यार्थियों के लिये)

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

टिप्पणी :–प्रश्न-पत्र पर अंकित पूर्णांक नियमित कॉलेजों (श्रेणी 'A') के विद्यार्थियों के लिए अनुप्रयोज्य हैं। तथापि ये अंक, NCWEB के विद्यार्थियों के संबंध में उनके परिणाम के संकलन के लिए नियुक्त अधिनिर्णय के समय पर, उनके आनुपातिक रूप में अधिक होंगे।

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. किन्हीं **दो** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) अधिकार खोकर बैठ रहना, यह महा दुष्कर्म है;
न्यायार्थ अपने बन्धु को भी दण्ड देना धर्म है।
इस तत्त्व पर ही कौरवों से पाण्डवों का रण हुआ,
जो भव्य भारतवर्ष के कल्पान्त का कारण हुआ॥

P.T.O.

(ख) पाछैं लागा जाइ था, लोक बेद कै साथि।

पैंडे में सतगुर मिल्या, दीपक दीया हाथि॥

कबीर सतगुर ना मिल्या, रही अधूरी सीष।

स्वांग जती का पहिरि करि, घरि घरि मांगै भीष॥

(ग) पशु नहीं, वीर तुम,

समर-शूर, क्रूर नहीं,

काल चक्र में हो दबे,

आज तुम राजकुँवर,

समर सरताज!

मुक्त हो सदा ही तुम,

बाधा-विहीन-बंध छंद ज्यों,

डूबे आनंद में सच्चिदानन्द-रूप। 8×8

2. सूरदास **अथवा** निराला का साहित्यिक परिचय दीजिए। 7

3. पाठ्यक्रम में निर्धारित काव्यांशों के आधार पर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) नीतिकार की दृष्टि से वृन्द के दोहों का मूल्यांकन कीजिए।

(ख) 'बिहारी को अनेक विषयों का ज्ञान था'—इस कथन के आधार पर बिहारी के दोहों का मूल्यांकन कीजिए।

(ग) 'शेरसिंह का शस्त्र-समर्पण' कविता का मूल भाव लिखिए।

(घ) 'गीत-फरोश' कविता के मूल स्वर पर प्रकाश डालिए। 6+6

4. किसी **एक** अनुच्छेद की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

मैं ऐसे व्यक्ति को अच्छी तरह समझती हूँ। तुम्हारे साथ उसका इतना ही सम्बन्ध है कि तुम एक उपादान हो, जिसके आश्रय से वह अपने से प्रेम कर सकता है। अपने पर गर्व कर सकता है। परन्तु तुम क्या सजीव व्यक्ति नहीं हो ? तुम्हारे प्रति उसका या तुम्हारा कोई कर्त्तव्य नहीं है ? कल तुम्हारी माँ का शरीर नहीं रहेगा और घर में एक समय के भोजन की व्यवस्था भी नहीं होगी, तो जो प्रश्न तुम्हारे सामने उपस्थित होगा, उसका तुम क्या उत्तर दोगी। तुम्हारी भावना उस प्रश्न का समाधान कर देगी ?

अथवा

ऐसे अवसरों पर उनके मन को सन्तुलित रखने के लिए बहुत प्रयत्न करना पड़ता है। राजनीति साहित्य नहीं है। उसमें एक एक क्षण का महत्व है। कभी एक क्षण के लिए भी चूक जायें, तो बहुत बड़ा अनिष्ट हो सकता है। राजनीतिक जीवन की धुरी में बने रहने के लिए व्यक्ति को बहुत जागरूक रहना पड़ता है। साहित्य उनके जीवन का पहला चरण था। अब वे दूसरे चरण में पहुँच चुके हैं। 8

5. मल्लिका की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।

अथवा

रंगमंच की दृष्टि से 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक की समीक्षा कीजिए। 12

6. (क) संत काव्यधारा **अथवा** रीतिबद्ध काव्यधारा की प्रमुख प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए। 10

(ख) आदिकाल **अथवा** छायावाद की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए। 10